Seventeenth Loksabha

>

Title: Inquiry into the incident of violent procession carried out by people ain Maharastra.

श्रीमती नवनित रवि राणा (अमरावती): सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । मेरा विषय बहुत ही ज्यादा सेनसेटिव विषय है । महाराष्ट्र में मेरा जो संसदीय क्षेत्र है, वहाँ 12 नंवबर, 2021 को बिना पुलिस के परमिशन से हजारों की संख्या में लोगों ने एक मोर्चा निकाला, उसे राजनीतिक दलों ने सपोर्ट किया । वहाँ की पुलिस ने उस मोर्चा को क्यों नहीं रोका? क्या महाराष्ट्र की सरकार की ओर से उसे सपोर्ट किया गया? महाराष्ट्र सरकार के नेता आखिर भड़काऊ भाषण उस दिन क्यों दे रहे थे? उस मोर्चे के दौरान क्राउड ने व्यापारिकों को मारा-पीटा, उनकी दुकानों पर पथराव किया और दुकानें भी तोड़ी-फोड़ी । मैं पूछना चाहती हूँ कि उन्हें ऐसा करने के लिए इतनी हिम्मत किसने दी और इन सब के पीछे कौन है? इस घटना की कड़ी से कड़ी जाँच होनी चाहिए । इस पूरे घटनाक्रम में महाराष्ट्र सरकार असफल रही है ।… (व्यवधान)

सर, यह बहुत ही सेनसेटिव विषय है । इसके बारे में पूरी तरह से बोले बिना समाधान नहीं होगा । महाराष्ट्र में जब पाँच साल तक देवेन्द्र साहब की सरकार थी, तब ऐसे सांप्रदायिक दंगे कभी नहीं हुए । आज वहाँ ठाकरे सरकार है । उनकी तीन तिगाड़ी सरकार में ये दंगे आखिर क्यों हो रहे हैं? इसमें सरकार का क्या रोल था? मैं इसकी कड़ी से कड़ी निंदा करती हूँ ।

माननीय सभापति : आप क्या चाहती हैं, उसके बारे में आप बोलिए ।

श्रीमती नवनित रवि राणा : सभापति महोदय, इस घटना के लिए कार्रवाई होनी चाहिए ।… (व्यवधान)

सर, मेरी आखिरी बात है । … (व्यवधान)

श्री राजेन्द्र अग्रवाल : आप अपनी आखिरी बात को तुरंत बोलिए ।

श्रीमती नवनित रवि राणा : सर, त्रिपुरा में हुई घटना अफवाह मात्र थी । रज़ा एकाडमी की महाराष्ट्र सहित पूरे देश में कई सेन्टर्स हैं । उसने अफवाह को फैलाने का काम किया, यानी आग में तेल डालने जैसा काम किया । इसके लिए रजा अकादमी के जितने भी सेंटर्स हैं, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए ।

माननीय सभापति : आप भूमिका छोटी रखिए और तुरन्त विषय पर आइए ।

श्रीमती नवनित रवि राणा : महोदय, मैं आपको अवगत कराना चाहती हूं कि सिर्फ अमरावती ही नहीं, बल्कि जिले के आकोट में, नांदेड़ में, नासिक में, मालेगांव जिले में भी ऐसे दंगे हुए, तो इसके पीछे जिनके भी हाथ हैं, उनके ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ।…(व्यवधान)